Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to frame and implement Common Civil Code in the country-laid

श्री संजय सेठ (राँची): एक तरफ देश में न्यायपालिका, प्रशासनिक व्यवस्था व सरकारों के समक्ष कामकाज का बोझ बढ़ा है तो दूसरी तरफ माननीय प्रधानमंत्री जी ने सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास का नारा दिया है । जरूरत इस बात की है कि इनके बीच सामंजस्य बनाया जाए । सामंजस्य बनाने की राह में मुझे एक ही विकल्प दिखाई देता है, वह है कॉमन सिविल कोड । कॉमन सिविल कोड देश की जरूरत है ताकि पंथनिरपेक्ष इस देश में सभी नागरिकों के लिए भी एक कानून हो । नागरिक धार्मिक मान्यताओं पर अलग कानून का इस्तेमाल न करें । यदि देश पंथनिरपेक्ष है तो कानून व्यवस्था भी पंथनिरपेक्ष होनी चाहिए । इससे नागरिकों में कानून के प्रति भी समानता का बोध होगा और कोई पर्सनल लॉ जैसे कानूनों की आड़ में भारतीय कानून का मखौल नहीं उड़ा सकेगा । मेरा आग्रह है कि सरकार इस दिशा में कदम बढ़ाए और कॉमन सिविल कोड को देश में लागू किया जाए ।